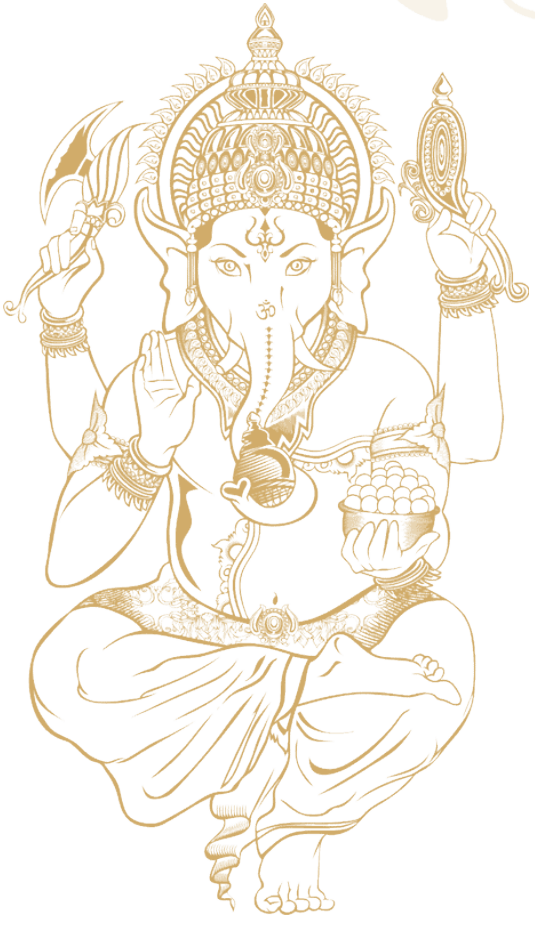

Sonu

26 Feb 2026

05:37 PM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121412303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:37:00 घंटे**
इष्ट	28:14:21 घटी
स्थान	**Gopalganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:44:44 घंटे
वेलान्तर	-00:12:54 घंटे
साम्पातिक काल	04:10:09 घंटे
सूर्योदय	06:19:15 घंटे
सूर्यास्त	17:51:28 घंटे
दिनमान	11:32:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:40:33 कुम्भ
लग्न के अंश	11:16:54 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	11:16:54	319:03:19	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
सूर्य			कुंभ	13:40:33	01:00:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	09:52:17	14:09:46	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	02:33:12	00:47:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
बुध	व		कुंभ	28:20:13	00:02:11	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:07:26	00:02:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	25:52:43	01:14:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	07:12:14	00:07:05	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:19	00:00:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:19	00:00:10	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:27:24	00:01:10	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:43:49	00:02:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:14:26	00:01:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	10:17:01	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

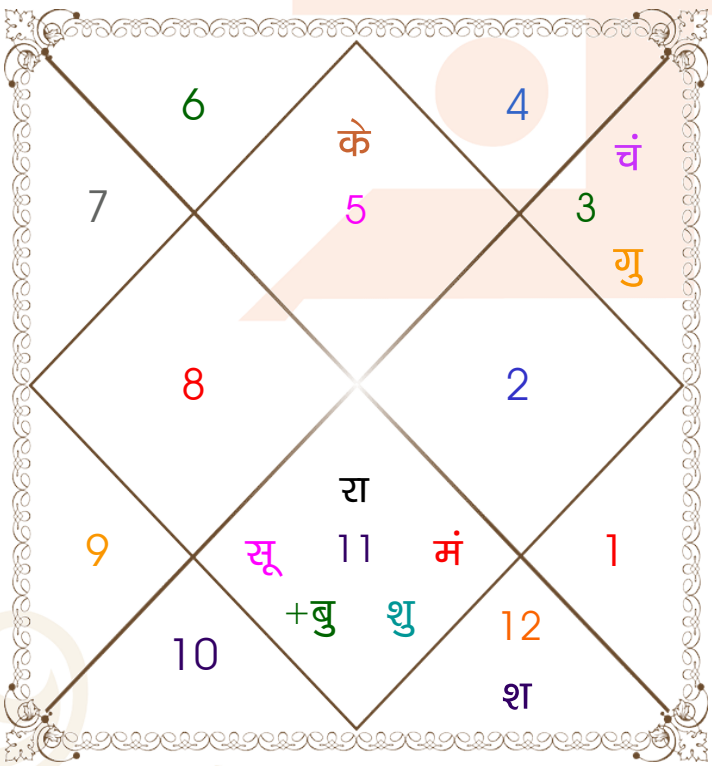

चन्द्र कुंडली

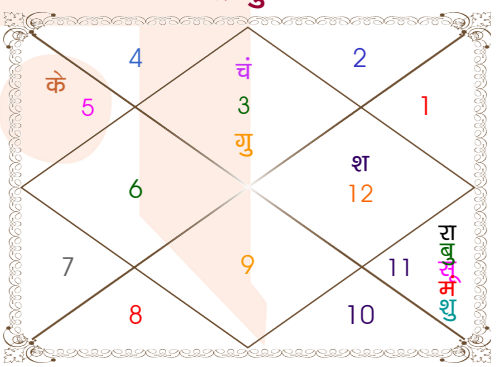

नवमांश कुंडली

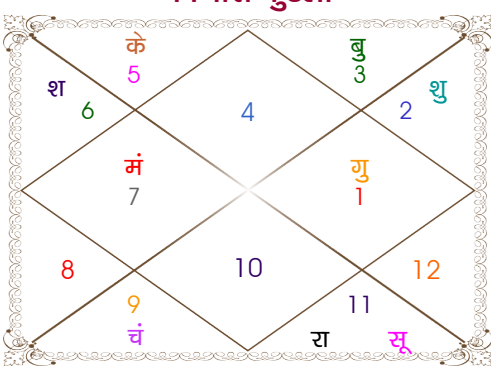

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 8 मास 2 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/02/2026		31/10/2039		31/10/2055		30/10/2074		31/10/2091	
31/10/2039		31/10/2055		30/10/2074		31/10/2091		30/10/2098	
	26/02/2026	गुरु	18/12/2041	शनि	02/11/2058	बुध	28/03/2077	केतु	28/03/2092
गुरु	06/12/2026	शनि	30/06/2044	बुध	12/07/2061	केतु	25/03/2078	शुक्र	28/05/2093
शनि	12/10/2029	बुध	06/10/2046	केतु	21/08/2062	शुक्र	23/01/2081	सूर्य	03/10/2093
बुध	30/04/2032	केतु	12/09/2047	शुक्र	21/10/2065	सूर्य	29/11/2081	चंद्र	04/05/2094
केतु	19/05/2033	शुक्र	13/05/2050	सूर्य	03/10/2066	चंद्र	01/05/2083	मंगल	30/09/2094
शुक्र	18/05/2036	सूर्य	01/03/2051	चंद्र	03/05/2068	मंगल	27/04/2084	राहु	18/10/2095
सूर्य	12/04/2037	चंद्र	30/06/2052	मंगल	12/06/2069	राहु	14/11/2086	गुरु	23/09/2096
चंद्र	12/10/2038	मंगल	06/06/2053	राहु	18/04/2072	गुरु	19/02/2089	शनि	02/11/2097
मंगल	31/10/2039	राहु	31/10/2055	गुरु	30/10/2074	शनि	31/10/2091	बुध	30/10/2098

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/10/2098		31/10/2118		31/10/2124		31/10/2134		31/10/2141	
31/10/2118		31/10/2124		31/10/2134		31/10/2141		00/00/0000	
शुक्र	02/03/2102	सूर्य	18/02/2119	चंद्र	31/08/2125	मंगल	29/03/2135	राहु	13/07/2144
सूर्य	02/03/2103	चंद्र	19/08/2119	मंगल	01/04/2126	राहु	16/04/2136	गुरु	27/02/2146
चंद्र	31/10/2104	मंगल	25/12/2119	राहु	01/10/2127	गुरु	23/03/2137		00/00/0000
मंगल	31/12/2105	राहु	18/11/2120	गुरु	30/01/2129	शनि	02/05/2138		00/00/0000
राहु	31/12/2108	गुरु	06/09/2121	शनि	31/08/2130	बुध	29/04/2139		00/00/0000
गुरु	01/09/2111	शनि	19/08/2122	बुध	31/01/2132	केतु	25/09/2139		00/00/0000
शनि	31/10/2114	बुध	26/06/2123	केतु	31/08/2132	शुक्र	24/11/2140		00/00/0000
बुध	31/08/2117	केतु	01/11/2123	शुक्र	02/05/2134	सूर्य	01/04/2141		00/00/0000
केतु	31/10/2118	शुक्र	31/10/2124	सूर्य	31/10/2134	चंद्र	31/10/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 8 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।